

नमो नमो निम्मलदंसणस्स

श्री आनंद-क्षमा-ललित-सुशील-सुधर्मसागर-गुरूभ्यो नमः

श्रुतउपासको अने साहित्यसर्जन
लघु शोध निबंध

मुनि दीपरत्नसागरञ्ज

[M.com., M.Ed., Ph.D.]